www.batterybusiness.in

वर्ष-02 अंक-11, अगस्त-2023

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

विशेष : प्रोडक्ट की क्वालिटी के लिए ध्यान देने योग्य बातें

ग्रीव्स ने शुरू किया पावर राजा ई-रिक्शा बैटरी

साहित्य और जानकारियों से भरपूर

Super Stik
....चिपका रहे !
Super Stik
SPECIALIZED BATTERY STICKER
KABHI SATH
NA CHHODE
STRONG ADHESIVE
Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

www.batterybusiness.in
वर्ष-02 अंक-11, अगस्त-2023
बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए
बैटरी व्यापार
ऑनलाइन मासिक Battery Business
समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

संकलक-संपादक
विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :
माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफ़िक्स टीम :
प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

प्रोडक्शन
विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :
एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

*प्रिंटेड कॉपी मूल्य : **रुपये 120/-***
डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :
डिजाईनवर्ल्ड
डब्लू जेड -572 एन, बैक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028
संपर्क : 9582593779
Email : info@batterybusiness.in
Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

बैटरी व्यापार के पाठकों को नमस्कार!

मैं अपने लेख द्वारा यह बताना चाहता हूँ कि व्यवसाय के लिए पत्रिका का महत्व अधिकांश तात्कालिक सूचनाओं, सूचनाओं, विपणन रणनीतियों, और उपयोगी विचारों की व्यापारिक जानकारी को प्राप्त करने में होता है। यह एक महत्वपूर्ण स्रोत हो सकता है जो आपके व्यापार की सफलता में मदद कर सकता है।

व्यापारिक पत्रिकाएं आपको उचित विपणन रणनीतियों के बारे में जानकारी प्रदान कर सकती हैं, जैसे कि मूल्य निर्धारण, बाजार अनुसंधान, और स्टॉक प्रबंधन। पत्रिकाएं आपको विपणन और बाजार की स्थिति के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान कर सकती हैं, जिससे आप अपनी स्टॉक्स, मूल्य निर्धारण, और बाजार स्थिति को समझ सकते हैं।

व्यापारिक पत्रिकाएं विपणन के लिए नई विचारधाराएं प्रस्तुत कर सकती हैं, जो आपके उत्पादों की प्रमोशन और मार्केटिंग को बेहतर बना सकती हैं। पत्रिकाएं आपको नवाचारी मार्केटिंग और प्रचार के विचार प्रदान कर सकती हैं, जिससे आप अपने उत्पादों को बेहतर ढंग से बाजार में पेश कर सकते हैं।

पत्रिकाएं व्यापारिक व्यक्तित्वों की कहानियां, सफलता की कहानियां, और व्यापारिक दुनिया के विचारधाराओं को साझा कर सकती हैं, जिससे आपको प्रेरित होने में मदद मिल सकती है। व्यापार के लिए नवाचारिक तकनीक और उपयोगी टूल्स के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए पत्रिकाएं महत्वपूर्ण हो सकती हैं। आपके व्यापार की प्रतिस्पर्धा को समझने के लिए पत्रिकाएं आपको आपके विभाग की विपणन की स्थिति की तुलना में मदद कर सकती हैं।

ये उपर्युक्त लाभ है जो व्यापारिक पत्रिकाएं आपको व्यापार की अद्यतन समाचार और विचार प्रदान करके आपके व्यवसाय को सफलता की ओर अग्रसर करने में मदद कर सकती हैं। इसलिए, व्यापार के लिए पत्रिका का संचयन करना और नवाचारिक विचारों को प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है। मैं हर बार सभी व्यापारी बंधुओ को कहता हूँ कि इस पत्रिका में किसी भी प्रकार कि जानकारी निशुल्क प्रकाशित हो सकती है ।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त
info@batterybusiness.in
www.batterybusiness.in

वर्ष-02 | अंक-11 | अगस्त-2023

इस अंक में पढ़िये .....

05 समाचार

आंध्र के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,134-एम परियोजनाओं की आधारशिला रखी

तेलंगाना के अधिकतर सरकारी स्कूलों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा

06 समाचार

अदाणी एंटरप्राइजेज का कहना है कि मुंद्रा सोलर एनर्जी को वाणिज्यिक परिचालन तिथि प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है

17 वर्षीय विशेषज्ञ बच्चे ने स्वदेशी सौर मॉड्यूल डिजाइन का पेटेंट कराया

07 समाचार

पंजाब सौर ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर है

09 समाचार

केरल ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए स्वदेशी रूप से लिथियम बैटरी विकसित की

अमेरिकी कंपनी IBC कर्नाटक में ₹8,000 करोड़ का निवेश करेगी, लिथियम-आयन बैटरी प्लांट लगाएगी

10 समाचार

सरकार फंडिंग पहुंच में मदद के लिए ईवी को प्राथमिकता वाले क्षेत्र में शामिल करने पर विचार कर रही है

भारत ईवी पर आयात कर कम करने पर विचार कर रहा है

11 विशेष

व्यापार में लेन-देन को कैसे संतुलित करें ?

अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी के लिए ध्यान देने योग्य बातें

12 समाचार

पावर राजा ई-रिक्शा बैटरी लॉन्च!

टाटा पावर रिन्यूएबल ने टाटा मोटर्स के पंतनगर प्लांट के साथ 9MWp सोलर डील पर हस्ताक्षर किए

13 समाचार

रिलायंस चेयरमैन ने HJT सोलर मॉड्यूल, सोडियम-आयन बैटरी योजना पर बात की

14 समाचार

स्टार्ट-अप AR4 Tech ने सोडियन एनर्जी के साथ सोडियम आयन बैटरी पैक बनाने के लिए गठजोड़ किया

15 समाचार

एनटीपीसी रामागुंडम नया सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा

17 विशेष

सेंटगोबेन की नजर ईवी बैटरी प्रबंधन पर है

19 समाचार

एकदम बाइक जैसे फीचर्स वाली टाटा की इलेक्ट्रिक साइकिल

नॉर्थवोल्ट ने वैश्विक बैटरी गीगाफैक्ट्री चार्ज के लिए 1.2 अरब डॉलर की निवेशक सहायता जुटाई

21 साहित्य

कहानी

कविता : इन्सान तथा धर्म

क्षमता वह है जो आप करने में सक्षम हैं। प्रेरणा यह निर्धारित करती है कि आप क्या करते हैं। दृष्टिकोण निर्धारित करता है कि आप इसे कितनी अच्छी तरह से करते हैं

आंध्र के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,134-एम परियोजनाओं की आधारशिला रखी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने 5,314 मेगावाट बिजली उत्पादन के उद्देश्य से तीन नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की वस्तुतः आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजनाएं आंध्र प्रदेश को हरित ऊर्जा में नंबर एक बनने में मदद करेंगी। उन्होंने ओक मंडल के जुनुथला गांव में ग्रीनको ग्रुप द्वारा स्थापित की जाने वाली 2,300 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना, पन्याम मंडल के कांडिकायापल्ले गांव में एएम ग्रीन एनर्जी द्वारा स्थापित किए जाने वाले 700 मेगावाट के सौर और 314 मेगावाट के पवन ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी और बेथमचेरला मंडल के मुद्दवरम गांव में ईकोरेन एनर्जी द्वारा 1,000 मेगावाट की सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

सरकार के मुताबिक, ये कंपनियां क्रमश: 10,350 करोड़ रुपये, 4,500 करोड़ रुपये और 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी और क्रमश: 2,300, 1,000 और 2,000 नौकरियां पैदा करेंगी।

इसके अलावा, सरकार की बिजली उत्पादन कंपनी एपीजेनको ने पंप-स्टोरेज बिजली परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में नेशनल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर

कॉर्पोरेशन (एनएचपीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंप-स्टोरेज बिजली परियोजनाएं पर्यावरण के अनुकूल हैं और इससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने राज्य में हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर एक श्वेत पत्र भी जारी किया।

उन्होंने कहा, "पंप-स्टोरेज बिजली परियोजनाएं हमें पीक आवर्स के दौरान बिजली उत्पादन करने और हरित ऊर्जा में क्रांति लाने में मदद करेंगी, जो भविष्य में दुनिया को नियंत्रित करेगी और राज्य हरित ऊर्जा क्रांति का हिस्सा बन जाएगा।"

ऊर्जा मंत्री पी. रामचंद्र रेड्डी ने कहा कि कुल मिलाकर, 41,000 मेगावाट उत्पादन के लिए पंप-स्टोरेज इकाइयां शुरू करने के लिए 37 स्थानों की पहचान की गई है और 33,240 मेगावाट उत्पादन करने के लक्ष्य वाली 29 परियोजनाओं पर व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर लिया गया है।

20,900 मेगावाट उत्पादन वाली परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार हैं। कंपनियों को इस लक्ष्य का 16,180 मेगावाट उत्पादन करने के लिए काम शुरू करने की अनुमति दी गई।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, APGENCO और NHPC साझेदारी में 10,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यागंती और कपालपाडु में क्रमशः 1,000 मेगावाट और 950 मेगावाट पंप-स्टोरेज इकाइयां स्थापित करेंगे। ये इकाइयाँ 2,000 नौकरियाँ प्रदान करेंगी।

राज्य पहले से ही 8,999 मेगावाट सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन करता है। सरकार को उम्मीद है कि सोलर एनर्जी के साथ एक समझौता होगा

2.49 रुपये प्रति यूनिट पर बिजली मिलने से भारतीय निगम 25-30 वर्षों तक किसानों को दिन के समय मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

तेलंगाना के अधिकतर सरकारी स्कूलों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा

तेलंगाना में अधिक सरकारी स्कूल जल्द ही बिजली बिल के बोझ से मुक्त हो जाएंगे क्योंकि राज्य सरकार सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

4,600 सरकारी और स्थानीय निकाय हाई स्कूल, 475 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) और 192 मॉडल स्कूल सहित कुल 5,267 स्कूल सौर ऊर्जा से संचालित होंगे।

प्रत्येक चयनित सरकारी और स्थानीय निकाय उच्च विद्यालयों में 5 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र की योजना बनाई जा रही है, जबकि केजीबीवी और मॉडल स्कूलों में 10 किलोवाट क्षमता के संयंत्र की योजना बनाई जा रही है क्योंकि वे उच्च बिजली खपत वाले आवासीय विद्यालय हैं।

इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 80 हजार रुपए प्रति किलोवाट की अनुमानित लागत से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है। इस पहल पर 283 करोड़ रुपये की लागत आने की उम्मीद है और इसे तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम द्वारा क्रियान्वित किए जाने की संभावना है।

सरकार ने पहले से ही 'माना ऊरु - मन बड़ी/ मन बस्ती मन बड़ी' कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 12 जिलों में 1,521 सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों को सौर ऊर्जा से संचालित किया है। 32 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित ये 2 किलोवाट के सोलर प्लांट वर्तमान में 3,072 किलोवाट बिजली पैदा कर रहे हैं। अब इनमें से 1,200 से अधिक सौर संयंत्रों की क्षमता बढ़ाकर 5 किलोवाट की जाएगी।

मन ऊरू-मन बड़ी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, सरकारी स्कूलों को नया रूप दिया गया है और उन्हें कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला के साथ-साथ डिजिटल इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप बिजली की खपत में वृद्धि हुई है जिससे बिजली बिल अधिक हो गए हैं। ऐसे में सरकार ने स्कूलों को बिजली बिल के बोझ से मुक्त करने का फैसला किया है. इसके अलावा, छुट्टियों के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त सौर ऊर्जा को सीधे ग्रिड में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और स्कूलों को हस्तांतरित इकाइयों के आधार पर पैसे का भुगतान किया जाएगा।

अदाणी एंटरप्राइजेज का कहना है कि मुंद्रा सोलर एनर्जी को वाणिज्यिक परिचालन तिथि प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है

अदानी समूह की प्रमुख शाखा, अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने गुरुवार को कहा कि उसकी सहायक कंपनी, मुंद्रा सोलर एनर्जी को सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया से वाणिज्यिक परिचालन तिथि प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में अदानी एंटरप्राइजेज ने कहा "हम सूचित करना चाहेंगे कि मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड ("एमएसईएल"), कंपनी की एक स्टेप डाउन सहायक कंपनी को सोलर पीवी के लिए सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ("एसईसीआई") से वाणिज्यिक परिचालन तिथि ("सीओडी") प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। सेल और सोलर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र गुजरात राज्य के मुंद्रा में स्थित है ।"

17 वर्षीय विशेषज्ञ बच्चे ने स्वदेशी सौर मॉड्यूल डिजाइन का पेटेंट कराया

युवा प्रतिभा के उल्लेखनीय प्रदर्शन में, 17 वर्षीय जय मोहनका ने सोलर पैनल के एक अभिनव इंटरमेश फ्रेम के लिए डिजाइन पंजीकरण हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि 2000 के डिज़ाइन अधिनियम और 2001 के संबंधित डिज़ाइन नियमों के दायरे में आती है।

जय ने सौर मॉड्यूल की स्थापना में जटिल संयोजन प्रक्रियाओं और मॉड्यूल में खराब जल निकासी जैसे सामान्य मुद्दों को संबोधित करने के लिए सौर पैनलों के लिए एक उपन्यास डिजाइन की संकल्पना की।

जय ने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक के साथ अखिल भारतीय विज्ञान श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल करके राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि का शिखर हासिल किया है। विज्ञान के क्षेत्र में उनकी यात्रा एक सहज जिज्ञासा के साथ शुरू हुई, जो छोटी उम्र से ही स्पष्ट थी। अपने प्रारंभिक वर्षों से ही, उन्होंने वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रति गहरी रुचि प्रदर्शित की है, एक ऐसा जुनून जो अटूट बना हुआ है।

विभिन्न कारखानों में अपने भ्रमण के दौरान, उन्हें विभिन्न विनिर्माण प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया और विनिर्माण में आसानी सुनिश्चित करते हुए कार्यक्षमता को अनुकूलित करने के लिए उत्पाद डिजाइन में गहरी रुचि विकसित हुई।

पंजाब सौर ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर है

स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पंजाब की भविष्य की बिजली आपूर्ति मांग को पूरा करने के लिए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन की सहायक कंपनी सतलुज जल विद्युत निगम के साथ 1200 मेगावाट के बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा का बोर्ड और अग्रणी फर्म।

मुख्यमंत्री ने विवरण देते हुए कहा कि पीएसपीसीएल ने पंजाब और देश भर में कहीं भी स्थित सौर परियोजनाओं से बिजली की खरीद के लिए निविदाएं जारी की थीं। उन्होंने कहा कि एसजेवीएन (सतलुज जल विद्युत निगम) ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बीकानेर (राजस्थान) और भुज (गुजरात) में 1000 मेगावाट से 2.53 रुपये प्रति यूनिट और होशियारपुर (पंजाब) में 200 मेगावाट से 2.75 रुपये प्रति यूनिट का प्रस्ताव दिया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पहली बार काउंटर बिडिंग आमंत्रित करने के लिए स्विस चैलेंज मेथड (एससीएम) लागू किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बोली 2.59 प्रति यूनिट की थी, लेकिन बातचीत कर इसे 2.53 पर लाया गया, जिससे पैसे की बचत हुई। इसी तरह उन्होंने कहा कि 200 मेगावाट के लिए 2.79 रुपये की बोली लगाई गई थी लेकिन अंत में 2.75 रुपये प्रति यूनिट पर सहमति बनी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस बातचीत से राज्य सरकार को 431 करोड़ रुपये की बचत होगी और ट्रांसमिशन लागत से बचने के लिए ये परियोजनाएं जल्द ही शुरू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने निजी खिलाड़ियों को लाभ पहुंचाने के लिए इन समझौतों पर हस्ताक्षर करके सार्वजनिक धन को बेरहमी से लूटा था। उन्होंने कहा कि 2007-2017 तक कोई भी परियोजना 7 रुपये से कम की नहीं थी जबकि इस पीपीए पर नाममात्र की लागत पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे जनता का काफी पैसा बचेगा और राज्य को काफी फायदा होगा.

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब जल्द ही बिजली बैंकिंग की नीति लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक क्रांतिकारी कदम होगा जिसका उद्देश्य देश में राज्य बिजली को सरप्लस बनाना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे जनता को सस्ती, नियमित और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में क्रांति आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीए दरें बिना किसी लागत में वृद्धि के 25 वर्षों के लिए तय की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएसपीसीएल द्वारा कोई ट्रांसमिशन शुल्क और कोई ट्रांसमिशन हानि का भुगतान नहीं किया जाएगा। भगवंत सिंह मान सौर ऊर्जा परियोजनाओं को 18 महीने के भीतर चालू कर दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित ऊर्जा का अनुमानित दैनिक उत्पादन 83 लाख यूनिट है। उन्होंने आगे कहा कि इससे कृषि ट्यूबवेलों को दिन के दौरान बिजली की आपूर्ति करने में मदद मिलेगी क्योंकि दिन में सौर ऊर्जा उपलब्ध होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक बढ़ावा देने और दिन के दौरान कृषि ट्यूबवेलों को अधिकतम बिजली प्रदान करने के उद्देश्य से, पीएसपीसीएल ने पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में स्थित परियोजनाओं से 2500 मेगावाट सौर ऊर्जा खरीदने के लिए और नए टेंडर जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनियों के साथ किये गये समझौतों को पहले की तुलना में सार्वजनिक कर दिया गया है, जब इन्हें गुप्त रखा जाता था। उन्होंने कहा कि आज हरित ऊर्जा का युग है और इसलिए हमने यह समझौता किया है. भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह देश में किया गया सबसे बड़ा सौर ऊर्जा खरीद समझौता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार गोइंदवाल पावर प्लांट को खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य निजी थर्मल प्लांटों के साथ समझौते की शर्तों में संशोधन के प्रयास किये जा रहे हैं. भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को तुरंत बिजली प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसानों को मुफ्त बिजली आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अन्न उत्पादकों को मुफ्त बिजली पर कोई दर लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है. भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के पास किसानों के लिए अतिरिक्त बिजली है और किसानों को सब्सिडी देने के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में नहरी पानी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में भूजल को बचाने और नहरी पानी का उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही पानी से संबंधित तीन विभागों का विलय करेगी। इस उद्देश्य के लिए सिंचाई, जल संसाधन और अन्य को एक में लाना।

VERATEK®
Energy Revolution

SOLAR
TALL TUBULAR
BATTERY

POWER
BACKUP
SOLUTION

QUICK RECHARGE > MORE BACKUP >

LOW MAINTENANCE
HIGH POWER
SELENIUM INSIDE

Contact : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

केरल ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए स्वदेशी रूप से लिथियम बैटरी विकसित की

केरल ने स्वदेशी रूप से लिथियम टाइटेनेट ऑक्साइड (एलटीओ) बैटरी का एक प्रोटोटाइप विकसित करके टिकाऊ परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है, जो एक गेम-चेंजिंग विकास है जो इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण उद्योग में क्रांति लाने का वादा करता है।

यह सफलता केरल डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्ट्रैटेजिक काउंसिल (के-डीआईएससी) के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के एक संघ द्वारा एक सामान्य लक्ष्य के लिए काम करने के सहयोगात्मक प्रयास के परिणामस्वरूप मिली। कंसोर्टियम में अन्य उद्यम विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी), त्रावणकोर टाइटेनियम प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीटीपीएल), सी-डैक तिरुवनंतपुरम, और त्रिवेन्द्रम इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च पार्क हैं।

केरल सरकार के विवरण के अनुसार, टीटीपीएल ने बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक लिथियम टाइटेनेट ऑक्साइड इलेक्ट्रोड सामग्री विकसित की, जबकि वीएसएससी ने लिथियम टाइटेनेट बैटरी प्रोटोटाइप डिजाइन और बनाया।

एलटीओ बैटरी दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार है जो लंबे समय से इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाने में बाधा बनी हुई हैं – रेंज की चिंता और लंबा चार्जिंग

समय।

एलटीओ बैटरी की सफलता के मूल में इसकी असाधारण दीर्घायु और तेज़ चार्जिंग क्षमताएं हैं। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों के विपरीत, एलटीओ संस्करण काफी लंबे जीवन चक्र का दावा करता है, जो इसे लंबे समय में अधिक विश्वसनीय और लागत प्रभावी बनाता है। "एलटीओ बैटरी का यह महत्वपूर्ण विकास ईवी विनिर्माण में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा क्योंकि यह बिजली खत्म होने के डर के बिना विस्तारित ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। मानक ईवी बैटरियों की तुलना में, यह लंबे चार्जिंग सत्र से जुड़ी असुविधा को भी खत्म कर देगा, "परियोजना से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।

केरल में एलटीओ बैटरी का विजयी प्रवेश विकास वैश्विक स्तर पर ईवी उद्योग की गतिशीलता को नया आकार देगा। केरल अब हरित परिवहन क्रांति में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर है। ईवी परिवहन क्षेत्र के अलावा, एलटीओ बैटरी विकास तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों को फिर से परिभाषित करेगा। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़े ग्रिड स्थिरीकरण में बैटरी प्रमुख भूमिका निभाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा "विभिन्न मापदंडों का विश्लेषण करने वाले प्रोटोटाइप के निरंतर परीक्षण के बाद, विभिन्न कार्यात्मक गुणों के लिए इसका कठोरता से मूल्यांकन किया जाएगा। बड़े पैमाने पर उत्पादन और व्यावसायीकरण का निर्णय परिणामों के मूल्यांकन के बाद ही लिया जाएगा।"

अमेरिकी कंपनी IBC कर्नाटक में ₹8,000 करोड़ का निवेश करेगी, लिथियम-आयन बैटरी प्लांट लगाएगी

कर्नाटक सरकार और अंतर्राष्ट्रीय बैटरी कंपनी ने ₹8,000 करोड़ की रिसाइक्लेबल लिथियम-आयन बैटरी इकाई स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है ।

एक मीडिया एजेंसी अनुसार बैटरी निर्माता ने ₹8,000 करोड़ के निवेश के साथ एक गीगाफैक्ट्री स्थापित करने के लिए राज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। जून से बातचीत चल रही थी, जब कंपनी ने कहा था कि वह कर्नाटक में एक सुविधा स्थापित करने पर विचार कररहीहै,जहांविद्युतीकरणऔरडीकार्बोनाइजेशन प्रौद्योगिकियों से संबंधित उपकरण, हिस्से और अन्य उत्पाद निर्मित किए जाएंगे।

₹8,000 करोड़ का निवेश 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक आता है। यह इकाई, कर्नाटक में दूसरा ऐसा संयंत्र है, जिसके बेंगलुरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली में सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र (आईटीआईआर) में 100 एकड़ भूमि पर स्थापित होने की उम्मीद है।

बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा, "परियोजना के साकार होने के बाद, राज्य में अपनी दूसरी लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण सुविधा होगी, जो देश में ली-आयन बैटरी विनिर्माण राज्य के रूप में अग्रणी राज्य बनने का मार्ग प्रशस्त करेगी।"

एजेंसी ने कहा कि आईबीसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष वेंकटेश वल्लूरी और वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ सेल्वाकुमार ने पाटिल की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

बैटरी बनाने वाली कंपनी ने रिसाइकल करने योग्य बैटरियों के महत्व पर जोर दिया और कहा कि उसके निवेश में भूमि, संयंत्र, मशीनरी और भवन शामिल होंगे। इसने यह भी कहा कि यह उच्च गुणवत्ता वाली बैटरियों के उत्पादन के लिए "शुष्क कमरे और साफ कमरे" स्थापित करेगा। लिथियम बैटरी का उपयोग बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहनों में किया जाता है।

सरकार फंडिंग पहुंच में मदद के लिए ईवी को प्राथमिकता वाले क्षेत्र में शामिल करने पर विचार कर रही है

एक मीडिया वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार वित् मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि सरकार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के परामर्श से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को प्राथमिकता-क्षेत्र ऋण (पीएसएल) श्रेणी में शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है।

अधिकारी ने कहा, "हमें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण में ईवी को शामिल करने के लिए एक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। हम बैंकों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र की ऋण आवश्यकताओं पर फिर से काम करने पर विचार करेंगे।"

"इस पर आरबीआई के साथ चर्चा की जानी है। यह एक विस्तृत जांच होगी. प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लिए संपूर्ण समीक्षा करने की आवश्यकता होगी। कई सेक्टर पीएसएल में शामिल होने की मांग कर रहे हैं।"

अधिकारियों ने कहा कि हरित हाइड्रोजन, हरित अमोनिया और कुछ अन्य नए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ प्राथमिकता-क्षेत्र ऋण मानदंडों के तहत शामिल करने पर विचार किए जाने की संभावना है।

आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, बैंकों के लिए अपने समायोजित शुद्ध बैंक ऋण का 40 प्रतिशत प्राथमिकता क्षेत्र को देना अनिवार्य है। वर्तमान में, सात क्षेत्रों कृषि, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), निर्यात ऋण, शिक्षा, आवास, सामाजिक बुनियादी ढांचे और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता-क्षेत्र ऋण के लिए माना जाता है।

अब तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के तहत, बैंक सौर आधारित बिजली जनरेटर, बायोमास-आधारित बिजली जनरेटर, पवन मिलों, माइक्रो-हाइड्रल संयंत्रों और गैर-पारंपरिक ऊर्जा आधारित सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे उद्देश्यों के लिए उधारकर्ताओं को 30 करोड़ रुपये की सीमा तक ऋण देते हैं। जैसे स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम और सुदूर गांव विद्युतीकरण प्राथमिकता क्षेत्र वर्गीकरण के लिए पात्र हैं। व्यक्तिगत परिवारों के लिए, ऋण सीमा प्रति उधारकर्ता 10 लाख रुपये है।

इलेक्ट्रिक वाहनों और नए नवीकरणीय क्षेत्रों के उद्योग प्रतिनिधि इसे पीएसएल मानदंडों के तहत शामिल करने की मांग कर रहे हैं। जून 2023 तक भारत में हरित हाइड्रोजन/हरित अमोनिया पर लगभग 48 परियोजनाओं की सार्वजनिक रूप से घोषणा की गई है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018 से भारत में कुल 26,25,443 ईवी पंजीकृत किए गए हैं और 2023 में (इस साल 3 अगस्त तक) 8,47,439 ईवी पंजीकृत किए गए थे।

भारत ईवी पर आयात कर कम करने पर विचार कर रहा है

भारत सरकार ऑटोमोबाइल निर्माताओं के लिए इलेक्ट्रिक वाहन पर आयात कर में कटौती करने पर विचार कर रही है, अगर वे स्थानीय विनिर्माण इकाई के साथ गठजोड़ करते हैं। यह कदम एलोन मस्क की टेस्ला द्वारा भारत में एक कार फैक्ट्री स्थापित करने के लिए निवेश प्रस्ताव के बाद आया है, जो घरेलू बाजार में प्रवेश करने का एक तरीका है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 33 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों के लिए आयात कर को मौजूदा 100% और बाकी के लिए 70% के बजाय 15% तक कम किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट में विकास से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा गया है कि अगर यह कदम लागू किया जाता है तो इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को भारत में पूरी तरह से निर्मित ईवी आयात करने की अनुमति मिल सकती है, जिसके लिए भारत सरकार को केवल 15% आयात कर का भुगतान करना होगा।

यदि भारत सरकार आयात कर में कटौती को लागू करती है तो इससे अनिवार्य रूप से घरेलू बाजार में आयातित इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत में भी कमी आएगी।

विशेष रूप से, स्थानीय कार निर्माता ईवी वेरिएंट के निर्माण में ज्यादा ध्यान देने से बचते रहे हैं। हालाँकि, अधिक से अधिक कंपनियां अपने ईवी के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं, यह भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारी बदलाव को मजबूर करेगा।

आयात कर में कटौती से टेस्ला के अलावा वैश्विक वाहन निर्माता भी दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जहां ईवी की बिक्री कुल कार बिक्री के 2% से कम है, लेकिन तेजी से बढ़ रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कम आयात कर से टेस्ला को भारत में अपने मॉडलों की पूरी श्रृंखला बेचने में मदद मिल सकती है, न कि केवल नई कार जिसे वह स्थानीय स्तर पर बनाना चाहता है।

कई देशों द्वारा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल आधारित वाहन विनिर्माण से हटने के लिए प्रतिबद्ध होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहन में परिवर्तित होने के प्रयास को सार्थकता मिली है।

हालाँकि, विकासशील देशों और विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ईवी एक महंगा खरीद विकल्प बना हुआ है, जो अन्यथा एक बड़े कार बाजार के लिए जिम्मेदार है।

अन्य देशों ने ईवी विनिर्माण प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देने के लिए समान उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए, इंडोनेशिया ने निवेश की योजना बना रहे ईवी निर्माताओं के लिए आयात शुल्क को 50% से घटाकर शून्य करने की पेशकश की है, इस कदम का उद्देश्य चीनी खिलाड़ियों और टेस्ला को आकर्षित करना है।

व्यापार में लेन-देन को कैसे संतुलित करें ?

व्यापार में लेन-देन को संतुलित रखना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह व्यापार की वित्तीय स्थिति को प्रभावित कर सकता है और व्यवसाय की सार्थकता पर प्रभाव डाल सकता है। यहां कुछ टिप्स हैं जो आपको व्यापार में लेन-देन को संतुलित रखने में मदद कर सकती हैं:

लेन-देन का खाता रखें:

सबसे पहले, आपको अपने व्यापार के सभी वित्तीय लेन-देन का खाता रखना चाहिए। इसके लिए एक अच्छा बुककीपिंग सिस्टम का उपयोग करें जो आपको संपूर्ण अवस्था का विवरण प्रदान कर सकता है।

ऋण और ऋणदाताओं के साथ अच्छे संबंध:

आपके ऋण और क्रेडिट देने वालों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने से आपके लिए लेन-देन की शर्तें बेहतर हो सकती हैं। अपने चुकाने के बिल को समय पर चुका दें ताकि आपका क्रेडिट स्कोर बना रहे।

बजट तैयार करें:

हर माह या हर तिमाही, व्यवसाय के लिए एक बजट तैयार करें। इसमें आपके आय और व्यय का विवरण होना चाहिए। यह आपको यह दिखाएगा कि कितने पैसे आपके पास हैं और कितने आपके पास खर्च कर सकते हैं।

सावधानी से क्रेडिट का उपयोग करें:

क्रेडिट का उपयोग करने से पहले, सोच-समझकर करें कि आपके पास उसे चुका सकने की क्षमता है या नहीं। बिना आवश्यकता के बड़े क्रेडिट का उपयोग न करें।

ऋणों की प्राथमिकता निर्धारित करें:

अगर आपके पास कई ऋण हैं, तो उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से चुका देने की कोशिश करें। उचित ब्याज दरों के साथ ऋणों को पुनर्विचार करें और संभावित सूचना बदलें।

लेन-देन की निगरानी रखें:

व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को निगरानी रखने के लिए नियमित अंशक्रिय दिन-दर का आयोजन करें। यह आपको यह जानने में मदद करेगा कि आपके पास कितने पैसे हैं और कितने लेन-देन हैं।

आपसी सहायता प्राप्त करें:

अगर आपको लगता है कि लेन-देन को संतुलित रखने में मुश्किल हो रही है, तो वित्तीय सलाहकार से सहायता प्राप्त करें।

लाभकारी लेन-देन पॉलिसी:

लेन-देन की निगरानी के बावजूद व्यवसाय के लिए लाभकारी लेन-देन पॉलिसी बनाएं, जिसमें अच्छे ग्राहकों को सम्मानित किया जाता है और बुरे लेन-देन को सीमित किया जाता है।

ये कुछ बिंदु हैं जो आपको व्यापार में लेन-देन को संतुलित रखने में मदद कर सकती हैं, और व्यवसाय की सार्थकता को बढ़ावा दे सकती हैं। ध्यानपूर्वक वित्तीय योजना और लेन-देन की निगरानी रखने से आप अपने व्यवसाय को मजबूत और स्थिर बना सकते हैं।

अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी के लिए ध्यान देने योग्य बातें

हमारे प्रोडक्ट की क्वालिटी को सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती हैं। यहां कुछ मुख्य बातें हैं जिनपर आपको ध्यान देना चाहिए:

सामग्री की गुणवत्ता:

आपके प्रोडक्ट की क्वालिटी सबसे पहले सामग्री की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। सामग्री को ध्यानपूर्वक चुनें और इसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रमाणन और परीक्षण की प्रक्रिया को अपनाएं।

उत्पादन प्रक्रिया:

उत्पादन प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक नियंत्रित करें ताकि उत्पाद की संगतता बनी रहे। यह शामिल करता है, उत्पादन की अद्यतन प्रक्रियाएँ, सुरक्षा मानकों का पालन, और उत्पादों की निगरानी के लिए गुणवत्ता नियंत्रण।

डिज़ाइन और उपयोगकर्ता सुखदता:

आपके प्रोडक्ट के डिज़ाइन को बेहतर बनाएं ताकि वह उपयोगकर्ताओं को अच्छी तरह से सेवा कर सके। इसमें उपयोगकर्ता सुखदता, सुरक्षा, और उपयोगकर्ता अनुभव पर ध्यान देना शामिल है।

प्रमाणन और मानक:

आपके प्रोडक्ट को उन्नत मानकों के अनुसार प्रमाणित करना महत्वपूर्ण है। यह ग्राहकों को विश्वास दिलाता है कि आपका प्रोडक्ट मानकों को पूरी करता है।

गुणवत्ता की निगरानी:

उत्पाद की गुणवत्ता को निगरानी में रखना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। नियमित रूप से नमूना लेकर उत्पाद की गुणवत्ता की जांच करें और कुछ निगरानी प्रक्रियाएँ स्थापित करें।

ग्राहक प्रतिपुष्टि और सुझाव:

ग्राहकों की प्रतिपुष्टि और सुझाव से सीखें और अपने प्रोडक्ट को बेहतर बनाने के लिए उन्हें अपनाएं।

स्थिरता और स्वच्छता:

उत्पाद की स्थिरता और स्वच्छता को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

सेवा और समर्थन:

ग्राहकों को अच्छी सेवा और समर्थन प्रदान करना भी उनके लिए उपयोगी होता है और आपके प्रोडक्ट की क्वालिटी को बढ़ावा देता है।

बदलती तर्जे:

आपके प्रोडक्ट को बदलती तर्जों और तकनीकों के साथ अद्यतन रखें, ताकि वह समय-समय पर बेहतर बन सके।

कठिनाइयों का समाधान:

यदि कोई समस्याएँ उत्पादन प्रक्रिया में आ जाती हैं, तो उन्हें त्वरित और प्रभावी तरीके से समाधान करने के उपायों को खोजें।

आपकी डिलीवरी और सप्लाई चेन की प्रभावकारी प्रबंधन:

उत्पाद को सही समय पर उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए आपके डिलीवरी और सप्लाई चेन का संचालन महत्वपूर्ण है।

ये सभी कारक आपके प्रोडक्ट की क्वालिटी को सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं और आपके व्यवसाय को मान्यता और सफलता दिलाने में मदद कर सकते हैं।

पावर राजा ई-रिक्शा बैटरी लॉन्च!

भारत में ईंधन-तटस्थ गतिशीलता समाधान के एक प्रमुख प्रदाता और ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड की सहायक कंपनी ग्रीव्स रिटेल ने 'पावर राजा बाय ग्रीव्स' ब्रांड के तहत ई-रिक्शा बैटरी की अपनी पूरी लाइन-अप का अनावरण किया है। नई पावर राजा बैटरियां तेजी से बढ़ते ई-रिक्शा क्षेत्र में छोटे पैमाने पर अंतिम मील परिवहन को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार हैं।

पावर राजा बैटरियां विश्वसनीय लेड-एसिड तकनीक का लाभ उठाती हैं और इन्हें ई-रिक्शा बाजार की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। वे वारंटी विकल्पों, विभिन्न बैटरी क्षमताओं (120 एएच / 130 एएच / 140 एएच / 150 एएच) की एक श्रृंखला के साथ आते हैं, और अधिकतम मूल्य के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य हैं।

प्रभावशाली पावर राजा बैटरी एक मजबूत पावर स्रोत है जो न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता होने पर दीर्घायु, प्रति किलोमीटर लागत-प्रभावशीलता और बढ़ी हुई रेंज प्रदान करती है। विश्वसनीयता, दक्षता और पर्यावरणीय चेतना को एक कॉम्पैक्ट इकाई में एकीकृत करके, ग्रीव्स रिटेल की पावर राजा बैटरी ई-रिक्शा उद्योग को बदलने के लिए तैयार है।

ग्रीव्स रिटेल के सीईओ नरसिम्हा जयकुमार ने कहा: "वाहन डैशबोर्ड के आंकड़ों से पता चलता है कि तिपहिया वाहन वित्त वर्ष 2013 में 53% की ईवी प्रवेश दर के साथ भारत के पहले ईवी अपनाने वालों में से थे। हमारा अभिनव 'पावर राजा बाय ग्रीव्स' इस संपन्न ई के भीतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। -रिक्शा बाजार। यह अत्याधुनिक बैटरी E3W के भीतर महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है और टिकाऊ इलेक्ट्रिक गतिशीलता समाधानों के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है। हमारा लक्ष्य ई-रिक्शा ऑपरेटरों को एक भरोसेमंद हरित समाधान से लैस करना है जो उनकी लाभप्रदता के साथ-साथ स्थिरता को भी बढ़ाता है।"

अपने नेटवर्क कवरेज क्षेत्र में 180 से अधिक वितरकों, 8000 डीलरशिप और 20k मैकेनिकों का दावा; ग्रीव्स स्पेयर्स एक जबरदस्त ताकत है जो ग्राहकों को सीधे तिपहिया (3W), इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (e3W) और छोटे वाणिज्यिक वाहनों (SCV) सहित बहु-ब्रांड वाहन भागों की विस्तृत विविधता प्रदान करती है। कंपनी कई व्यावसायिक संपर्क अवसरों के साथ-साथ डायग्नोस्टिक टूल और सेवा उपकरण भी प्रदान करती है, जो शीर्ष स्तर के रखरखाव और त्वरित डिलीवरी के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कुशल बिक्री और सेवा कर्मियों की उनकी व्यापक टीम स्थानीय ग्राहक सहायता सुनिश्चित करती है जिसके परिणामस्वरूप बेहतर ग्राहक संतुष्टि होती है।

टाटा पावर रिन्यूएबल ने टाटा मोटर्स के पंतनगर प्लांट के साथ 9MWp सोलर डील पर हस्ताक्षर किए

एक मीडिया वेबसाइट के अनुसार टाटा पावर की सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने उत्तराखंड में टाटा मोटर्स के पंतनगर संयंत्र के साथ 9MWp ऑन-कैंपस सौर संयंत्र के लिए बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए।

सौर स्थापना में उत्तराखंड में 25 टन CO_2/kWp के अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ, टाटा मोटर्स के स्थायी भविष्य के लक्ष्यों के लिए एक प्रभावी दृष्टिकोण शामिल है। परियोजना पीपीए निष्पादन तिथि से 6 महीने के भीतर चालू हो जाएगी। सौर स्थापना स्थापना के लिए जमीन पर स्थापित इकाइयों का उपयोग करेगी।

पहले की साझेदारी में, टीपीआरईएल और टाटा मोटर्स ने पंतनगर विनिर्माण सुविधा में 7 मेगावाटपी सौर परियोजना सफलतापूर्वक स्थापित की। परिणामस्वरूप, टाटा मोटर्स पंतनगर संयंत्र की संयुक्त सौर क्षमता अब 16 मेगावाटपी पर प्रभावशाली ढंग से पहुंच गई है। सौर संयंत्र सालाना 224 लाख यूनिट बिजली पैदा करेंगे, जो उनकी वार्षिक आवश्यकता का लगभग 60% पूरा करेगा। "टाटा मोटर्स के साथ इस साझेदारी के साथ टाटा पावर रिन्यूएबल्स भारत के हरित ऊर्जा भविष्य का समर्थन कर रहा है। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा, 9MWp सौर ऊर्जा स्थापना उद्योगों में पर्यावरण-अनुकूल स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। टाटा पावर अपनी सहायक कंपनियों के साथ बड़े उद्यमों के RE100 एजेंडे का समर्थन करने और देश के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने के लिए चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा समाधान विकसित कर रही है।

रिलायंस चेयरमैन ने HJT सोलर मॉड्यूल, सोडियम-आयन बैटरी योजना पर बात की

एक मीडिया वेबसाइट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश डी अंबानी ने कहा है कि उनकी कंपनी गुजरात के जामनगर में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स के फास्ट-ट्रैक निष्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नए ऊर्जा व्यवसाय में समूह की प्राथमिकता पूरी तरह से एकीकृत एंड-टू-एंड सौर पीवी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना है। आरआईएल की 46वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए अंबानी ने कहा, "यह दुनिया की सबसे बड़ी, तकनीकी रूप से सबसे उन्नत, लचीली और लागत-प्रतिस्पर्धी सौर गीगाफैक्ट्री में से एक होगी और रेत को सौर पीवी मॉड्यूल में परिवर्तित करेगी।"

सौर पीवी गीगाफैक्ट्री जामनगर में एक ही स्थान पर मॉड्यूल, सेल, वेफर्स, सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण करेगी। यह उपयोगिता-पैमाने और छत पर बिजली उत्पादन के लिए विश्व स्तर पर उच्चतम दक्षता वाले सौर पीवी कोशिकाओं और मॉड्यूल में से एक का निर्माण करने के लिए हेटेरोजंक्शन तकनीक (एचजेटी) को तैनात करेगा। अंबानी ने कहा कि उनका लक्ष्य 2025 के अंत तक इस कारखाने को चरणबद्ध तरीके से चालू करने का है।

इसके अलावा, समूह 2030 तक कम से कम 100 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की स्थापना में तेजी लाने और सक्षम करने के लिए अपनी इंजीनियरिंग और निर्माण क्षमताओं और गीगा-स्केल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाएगा।

अंबानी ने कहा कि आरआईएल समवर्ती रूप से 2026 तक बैटरी गीगाफैक्ट्री स्थापित करने पर केंद्रित है। बैटरी गीगाफैब बैटरी रसायनों, कोशिकाओं और पैक का निर्माण करेगी, जिससे कंटेनरीकृत ऊर्जा भंडारण समाधान तैयार होंगे, और एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए बैटरी रीसाइक्लिंग सुविधा भी शामिल होगी।

अंबानी ने कहा, "हम लिथियम फेरो फॉस्फेट (एलएफपी) तकनीक से शुरुआत करेंगे, जो सुरक्षा, स्थिरता और जीवन के पैमाने पर साबित हुई है, जिसका लक्ष्य विश्व-स्तरीय जीवनचक्र लागत पर एलएफपी-आधारित समाधान तैयार करना है।"

"इसके साथ ही, आरआईएल सोडियम-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी के तेजी से व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम 2025 तक मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगीकरण करके और उसके बाद तेजी से गीगावाट पैमाने तक बढ़ाकर अपनी प्रौद्योगिकी नेतृत्व स्थिति का निर्माण करेंगे।

आरआईएल अगले कुछ तिमाहियों में जामनगर में पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ मेगावाट पैमाने पर ऊर्जा भंडारण तैनात करेगा। इसके बाद कंपनी की कैप्टिव आवश्यकताओं और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए बैटरियों की ग्रिड-स्केल तैनाती की जाएगी।

आरआईएल एक पूरी तरह से एकीकृत, स्वचालित गीगा-स्केल इलेक्ट्रोलाइज़र विनिर्माण सुविधा भी स्थापित कर रहा है। अंबानी ने कहा, "यह हमें जामनगर में बड़े पैमाने पर हरित हाइड्रोजन उत्पादन स्थापित करने, धीरे-धीरे हमारी कैप्टिव आवश्यकताओं को बदलने और साथ ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल उत्पादन के साथ एकीकृत करने में सक्षम करेगा।"

स्टार्ट-अप AR4 Tech ने सोडियन एनर्जी के साथ सोडियम आयन बैटरी पैक बनाने के लिए गठजोड़ किया

कोयंबटूर के एक स्टार्ट-अप AR4 Tech ने घरेलू और निर्यात बाजारों के लिए सोडियम आयन बैटरी पैक बनाने के लिए सिंगापुर की सोडियन एनर्जी के साथ साझेदारी की है। सोडियन एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ पी. बाला ने मीडिया को बताया कि एआर4 टेक बैटरी पैक बनाने के लिए अगले चार महीनों में कोयंबटूर में 15,000 वर्ग फुट की फैक्ट्री शुरू करेगी।

सोडियन द्वारा विकसित सोडियम-आयन बैटरियों को यहां बैटरी पैक में बनाया जाएगा। आयातित उपकरणों वाले अर्ध-स्वचालित संयंत्र में प्रतिदिन लगभग 100 पैक बनाने की क्षमता होगी। उन्होंने कहा, सोडियन एनर्जी AR4 टेक में शेयरधारक है। AR4 Tech मौजूदा पेट्रोलियम वाहनों (मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों) को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए बैटरी पैक का उपयोग करेगा। एक बैटरी का जीवन चक्र लगभग 10 वर्ष होने की उम्मीद है। ये बैटरी पैक निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रणालियों में भी जा सकते हैं।

श्री बाला के अनुसार, भारत में सोडियम आयन बैटरी पैक के लिए अभी तक कोई गुणवत्ता या सुरक्षा मानक नहीं हैं। उन्होंने कहा, यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है जिसके लिए "अनुकूल नियामक वातावरण" की आवश्यकता है।

WEBDESIGN | SOCIAL MEDIA ADVERTISING | DIGITAL MARKETING | SEO

DIGICONNECT
....Easy Connect
CALL & WHATSAAP 9315 62 9212

एनटीपीसी रामागुंडम नया सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा

नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) रामागुंडम, जिसने पहले से ही 100 मेगावाट फ्लोटिंग प्लांट सहित 110 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाली सौर ऊर्जा इकाइयां स्थापित की हैं, ने 170 मेगावाट का एक और सौर संयंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। 170 मेगावाट में से 70 मेगावाट फ्लोटिंग प्लांट से होगा जबकि शेष पृथ्वी पर लगाया जाएगा।

फ्लोटिंग प्लांट एनटीपीसी के जलाशय के पानी पर स्थापित किया जाएगा जहां 100 मेगावाट का प्लांट मौजूद है। हालाँकि एनटीपीसी के अधिकारियों ने शुरू में येल्लमपल्ली सिंचाई परियोजना पर एक फ्लोटिंग यूनिट स्थापित करने का निर्णय लिया था, यदि राज्य सरकार इसके लिए तैयार थी, लेकिन उसने अपना निर्णय बदल दिया।

निगम ने रामागुंडम नगर निगम में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले 3 टन कचरे को जलाकर चारकोल का उत्पादन करने का भी निर्णय लिया है। चारकोल का उपयोग सामान्य कोयले के विकल्प के रूप में बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इस उद्देश्य से अधिकारियों ने एक संयंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।

उत्पादन लागत में वृद्धि के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों में कमी के मद्देनजर, एनटीपीसी वैकल्पिक बिजली उत्पादन स्रोतों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अपनी योजनाओं के हिस्से के रूप में, बिजली की दिग्गज कंपनी ने शुरुआत में शालापल्ली के पास 10 मेगावाट का पृथ्वी-आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया। बाद में देश में पहली बार 100 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित कर रिकॉर्ड बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 30 जुलाई को यह संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया था।

देश में इस क्षेत्र में सबसे बड़ा, 100 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट उन्नत तकनीक के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं से संपन्न है। ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) अनुबंध के रूप में बीएचईएल के माध्यम से 423 करोड़ रुपये के वित्तीय निहितार्थ के साथ निर्मित, यह परियोजना इसके जलाशय के 500 एकड़ में फैली हुई है।

40 ब्लॉकों में विभाजित, 2.5 मेगावाट के प्रत्येक ब्लॉक में एक फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म और 11,200 सौर मॉड्यूल की एक श्रृंखला शामिल है। फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म में एक इन्वर्टर, ट्रांसफार्मर और एक एचटी ब्रेकर होता है।

सौर मॉड्यूल एचडीपीई (उच्च घनत्व पॉलीथीन) सामग्री से निर्मित फ्लोटर्स पर रखे जाते हैं। पूरे फ्लोटिंग सिस्टम को विशेष एचएमपीई (हाई मॉड्यूलस पॉलीथीन) रस्सी के माध्यम से संतुलन जलाशय बिस्तर में रखे गए मृत वजन से जोड़ा जाता है।

एनटीपीसी अधिकारी 2×800 मेगावाट तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की दूसरी अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल यूनिट (800 मेगावाट) को कुछ दिनों के भीतर ग्रिड में सिंक्रनाइज़ करने की योजना बना रहे हैं।

एनटीपीसी अधिकारी, जिन्होंने 24 मार्च को पहली इकाई को पहले ही सिंक्रोनाइज़ कर लिया था, दूसरी इकाई को भी सिंक्रोनाइज़ करने की व्यवस्था कर रहे हैं। सिंक्रोनाइजेशन के बाद विभिन्न सहायक उपकरणों और प्रणालियों जैसे बॉयलर और टरबाइन सहायक, कोयला हैंडलिंग सिस्टम, राख हैंडलिंग सिस्टम, जल प्रणाली, विद्युत प्रणाली इत्यादि को चालू करके इकाई को धीरे-धीरे स्थिर किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार स्थापित, 5×800 मेगावाट (4,000 मेगावाट) सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट को इसके द्वारा उत्पन्न ऊर्जा का 85 प्रतिशत तेलंगाना को आपूर्ति करना अनिवार्य है। तेलंगाना सरकार ने राज्य में ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एनटीपीसी और बिजली मंत्रालय से वहां उत्पादित बिजली का 100 प्रतिशत आवंटित करने का औपचारिक अनुरोध किया था, लेकिन इस पर अभी निर्णय नहीं लिया गया है। इस संयंत्र में 42 प्रतिशत की बेहतर चक्र दक्षता, एक एकीकृत नियंत्रण प्रणाली और नियंत्रण कक्ष, गैस इंसुलेटेड सब-स्टेशन, सभी संयंत्र भवनों पर छत के ऊपर सौर पैनलों की स्थापना आदि के साथ कई पर्यावरण-अनुकूल ईंधन-कुशल विशेषताएं हैं।

Toll Free No. **1800-8910-771**

सेंटगोबेन की नजर ईवी बैटरी प्रबंधन पर है

सेंट-गोबेन इंडिया प्रा. लिमिटेड (एसजी), फ्रांसीसी ग्लास निर्माता की सहायक कंपनी, भारत में अपने ऑटो और ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) सेगमेंट का विस्तार करने के लिए दो या तीन बोल्ट-ऑन अधिग्रहणों में निवेश करना चाह रही है, बी संथानम, सीईओ-एपीएसी और भारत क्षेत्र, और चेयरमैन-सेंट-गोबेन इंडिया ने एक साक्षात्कार में एक मीडिया टीम को बताया।

संथानम ने कहा, "हम इस समय दो या तीन बोल्ट-ऑन अधिग्रहणों पर विचार कर रहे हैं। अधिकांश निर्माण सामग्री होगी, फिर हम ईवी से जुड़ी किसी भी चीज़ पर विचार कर रहे हैं। क्योंकि हमारे पास ईवी के लिए समाधानों का काफी बड़ा पोर्टफोलियो है।"

कंपनी ने 2021 और 2025 के बीच पूंजीगत व्यय और अधिग्रहण पर खर्च करने के लिए ₹8,000 करोड़ निर्धारित किए थे। आवंटन का लगभग 10% अधिग्रहण के लिए था और कंपनी पहले ही इसे खर्च कर चुकी है। "हमने विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) के लिए आवंटित ₹600 करोड़- ₹800 करोड़ का निवेश पहले ही कर दिया है, लेकिन हम उन लक्ष्यों से बाधित नहीं हैं, हम केवल अवसरों और मांग में वृद्धि से बाधित हैं... हमारी वैश्विक महत्वाकांक्षाएं भी हैं यह। इसलिए, यह हो सकता है कि वैश्विक अधिग्रहण होने पर इसमें से कुछ आ सकता है।

ग्लास निर्माता ऑटोमोटिव उद्योग के लिए विभिन्न ग्लास समाधान प्रदान करता है, जिसमें ईवी इसका एक बड़ा हिस्सा है। और कंपनी मुख्य रूप से ईवी सेगमेंट में अपने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान व्यवसाय को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जहां यह बैटरी पैक को इन्सुलेट करने के लिए थर्मल इन्सुलेशन बैरियर, बैटरी प्रबंधन, गास्केट जैसी विशेष सामग्री प्रदान करती है, और यह सुनिश्चित करने के लिए सील प्रदान करती है कि वे जलरोधक हैं।

इसमें हमारे पास कई समाधान हैं, जो भी बैटरी प्रकार होने वाला है, हमारे पास उन सभी में एक अवसर है...लेकिन हम केवल बैटरी प्रबंधन में होंगे। हमारे पास ऐसी सामग्रियां हैं जिनका उपयोग बैटरी बनाने में किया जाता है, लेकिन अंतिम बैटरी निर्माण का काम हम बैटरी विशेषज्ञों पर छोड़ देंगे।

वित्त वर्ष 2023 के दौरान देश में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, जो साल-दर-साल 155% की वृद्धि के साथ लगभग 1.2 मिलियन थी। जबकि 95% बिक्री दोपहिया और तिपहिया वाहनों से हुई, चालू वित्त वर्ष में इस खंड में समान वृद्धि दर्ज करने का अनुमान है।

सेंट-गोबेन इंडिया ने पहले एसजी की तकनीक के माध्यम से ₹400 करोड़ में उत्तर प्रदेश स्थित ग्लास वूल बनाने वाली कंपनी द्विगा फाइबरग्लास लिमिटेड का अधिग्रहण किया था, और पिछले साल रॉकवूल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण किया था। लिमिटेड, भारत में ₹150 करोड़ में थर्मल, ध्वनिक और अग्नि सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए इन्सुलेशन उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ स्टोन वूल का निर्माता है। उन्होंने कहा कि कंपनी नए अधिग्रहण केवल आंतरिक स्रोतों से करेगी।

"हम लगभग शुद्ध ऋण वाली कंपनी हैं, हमारे पास अपनी वृद्धि को शक्ति देने के लिए बहुत मजबूत नकदी उत्पादन है...हमारी नकदी स्थिति ₹2,500 करोड़ तक जाती है। हमें इक्विटी के विलय या इक्विटी के लिए मूल कंपनी के पास जाने की जरूरत नहीं है, विस्तार के लिए पर्याप्त नकदी है।"

एसजी भवन और निर्माण क्षेत्र में अपनी सेवाओं के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। "मुझे लगता है कि यहीं पर हम आवासीय विकास दर देखते हैं, वाणिज्यिक स्थान और बुनियादी ढांचे के स्थान, हल्के और टिकाऊ निर्माण के अवसर, जिसे हम इसे कहते हैं, और हम निर्माण को हल्का करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... अवसर बहुत बड़ा है," उन्होंने कहा। "कम कार्बन वाले ऑफर अब दिलचस्प हैं। कुछ प्रमुख खिलाड़ी टिकाऊ ऊर्जा के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। वे टिकाऊ उत्पादों के लिए 5-10% अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार हैं। इसलिए, हम तेजी से कम कार्बन समाधान प्रदान करेंगे।"

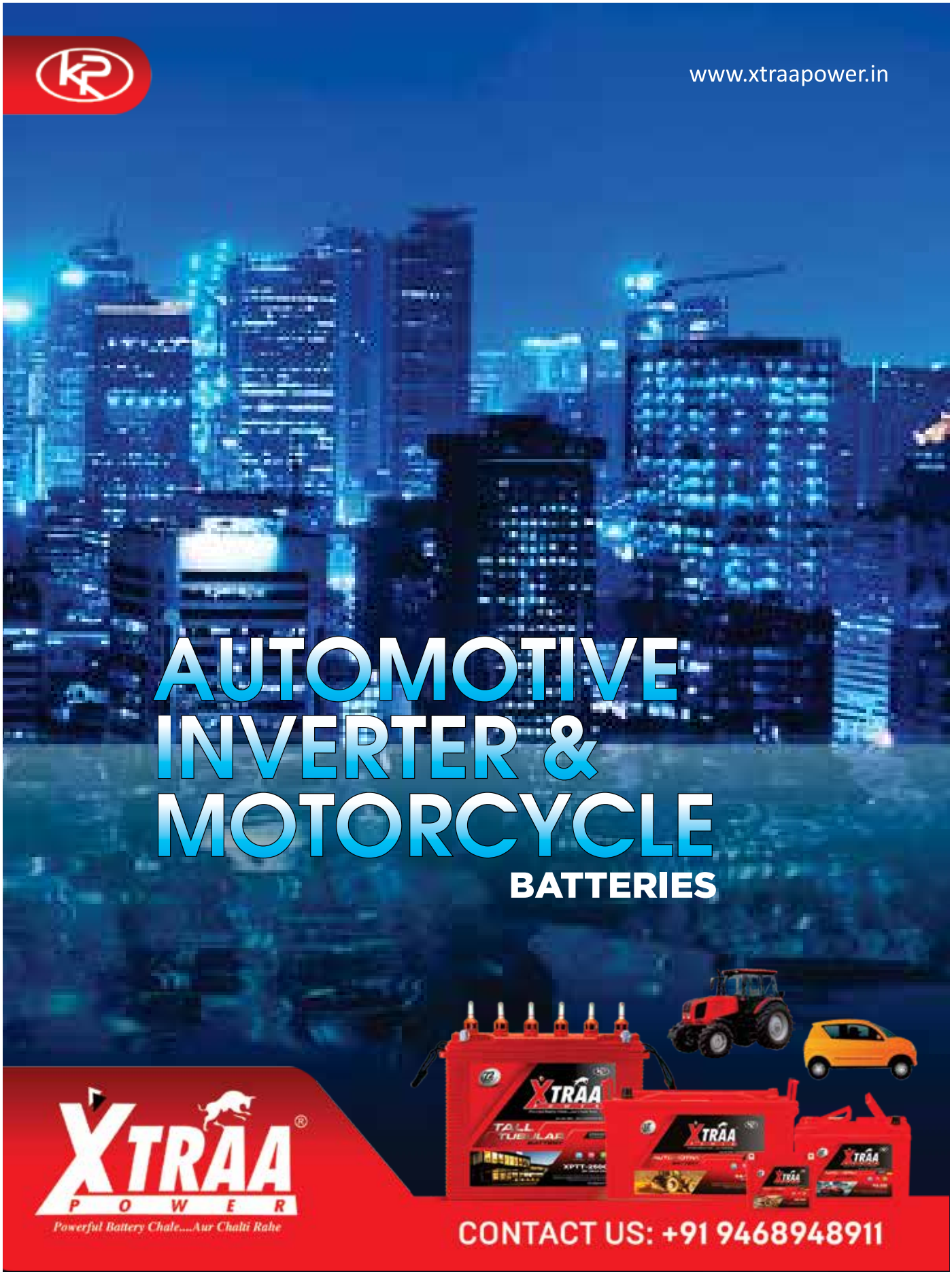
www.xtraapower.in
AUTOMOTIVE
INVERTER &
MOTORCYCLE
BATTERIES
XTRAA
POWER
Powerful Battery Chale....Aur Chalti Rahe
CONTACT US: +91 9468948911

एकदम बाइक जैसे फीचर्स वाली टाटा की इलेक्ट्रिक साइकिल

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार Tata कंपनी की Subsidiary ब्रांड Stryder ने अपनी नई इलेक्ट्रिक साइकिल Zeeta Plus को दमदार फीचर्स और काफी सस्ती कीमत के साथ मार्केट में पेश किया है। Zeeta Plus में Stryder की तरफ से 36W/6AH की बैटरी दी गई है।

Stryder की Zeeta Plus डिजाइन के मामले में तो अच्छी है ही, साथ ही ये इलेक्ट्रिक साइकिल फीचर्स के मामले में भी काफी दमदार है। इस साइकिल के पावर की बात करें तो ये साइकिल 216 Wh की पावर Generate कर सकती हैं।

Zeeta Plus साइकिल 100 किलो तक वजन लेकर भी आसानी से चल सकती है। Stryder की तरफ से Zeeta Plus में खराब रास्ते के लिए काफी अच्छी सस्पेंशन दी गई है। जिस कारण खराब रास्ते में भी ये इलेक्ट्रिक साइकिल काफी आसानी से चल सकती है।

मीडिया रिपोर्ट बताती है कि Stryder के तरफ से इस इलेक्ट्रिक साइकिल पर 2 साल तक की वारंटी दी जा रही है। इस Zeeta Plus इलेक्ट्रिक साइकिल में हमें 250 Watt की इलेक्ट्रिक मोटर देखने को मिलती है। इस इलेक्ट्रिक साइकिल में आपको स्टील की बॉडी देखने को मिलती है। इस इलेक्ट्रिक साइकिल की कीमत की बात करें तो इसकी कीमत ₹26,995 है। इसे आप इसकी ऑफिशियल साइट से खरीद सकते हैं।

नॉर्थवोल्ट ने वैश्विक बैटरी गीगाफैक्ट्री चार्ज के लिए 1.2 अरब डॉलर की निवेशक सहायता जुटाई

स्वीडिश बैटरी निर्माता नॉर्थवोल्ट ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका में योजनाबद्ध विस्तार से पहले ब्लैकरॉक और कनाडाई पेंशन फर्मों सहित निवेशकों से 1.2 बिलियन डॉलर जुटाए हैं।

परिवर्तनीय नोट इश्यू के माध्यम से पूंजी जुटाने का मतलब है कि कंपनी ने अब बीएमडब्ल्यू, स्कैनिया, वोल्वो कार्स और वोक्सवैगन सहित ग्राहकों से $ 55 बिलियन से अधिक ऑर्डर देने के लिए इक्विटी और ऋण में $ 9 बिलियन से अधिक सुरक्षित कर लिया है। नॉर्थवोल्ट के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी पीटर कार्लसन ने कहा, "हमें अपने मिशन का समर्थन करने के लिए पूंजी बाजार से महत्वपूर्ण रुचि मिल रही है।"

"वैश्विक डीकार्बोनाइजेशन के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत है, और ये मील के पत्थर यूरोप और उत्तरी अमेरिका दोनों में टिकाऊ बैटरी समाधानों की भारी मांग को पूरा करने के लिए हमारी स्थिति को मजबूत करते हैं।" घोषित धन उगाहने का नेतृत्व ब्लैकरॉक, ओंटारियो के निवेश प्रबंधन निगम और कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड के साथ-साथ कनाडाई पेंशन-योजना प्रदाता ओमर्स ने किया था। यह पिछले महीने जारी किए गए 1.1 बिलियन डॉलर के परिवर्तनीय नोट का विस्तार है, जिसमें गोल्डमैन सैक्स, बैली गिफोर्ड, वोक्सवैगन, सिंगापुर सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी और हांगकांग स्थित समूह चाउ ताई फूक एंटरप्राइजेज ने निवेश किया था।

नॉर्थवोल्ट वर्तमान में वेस्टेरास, स्वीडन और कैलिफोर्निया में कारखानों में बैटरी सेल डिजाइन और विकसित करता है, यूएस बैटरी सेल विनिर्माण स्केलेप्टिया, स्वीडन में अपने कारखाने में तेजी से बढ़ रहा है, जबकि स्वीडन, जर्मनी और पुर्तगाल में अतिरिक्त परियोजनाएं विकास के अधीन हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पोलैंड में अपने पहले ऊर्जा भंडारण प्रणाली उत्पादों को भी असेंबल किया है, जिसकी ग्राहक डिलीवरी इस साल के अंत में शुरू होने की उम्मीद है।

QUICK™ Power

Powering Your Life,
Quick Power
Tall Tubular Battery
Delivering Excellence.

CUSTOMER SUPPORT
9990-300-301

ASHU ENTERPRISES

TRADE ENQUIRY
9990-94-6060

उसके आँसू

हमारे पड़ोस में एक चित्रकार परिवार रहने आया है। चित्रकार का नाम अजित है। लोग कहते हैं कि उनके बनाये चित्र बहुत पसंद किये जाते हैं। कई शहरों में उनके चित्रों की प्रदर्शनियां हो चुकी हैं। मैंने कुछ सोचा और फिर एक दिन उनके दरवाजे की घंटी बजा दी। द्वार अजित ने खोला। बोले-'आइये, अंदर आइये। मैं पत्नी के साथ आप के पास आने की सोच रहा था।पर इधर मेरी पत्नी रमा कुछ अस्वस्थ हैं, इसीलिए नहीं आ सका।'

मैंने कहा-' आपका बहुत नाम सुना है। आपके बनाये चित्र देखना चाहता हूँ।' कमरे में एक सात आठ साल का बच्चा बैठा ड्राइंग बनाने में लगा था। मैंने अजित से पूछा –' यह आपका बेटा है?'

अजित ने कहा-'है तो नहीं पर बनाने की कोशिश कर रहा हूँ।'और मुझे दूसरे कमरे में ले गए। मुझे उनकी बात समझ में नहीं आई।उस कमरे में दीवारों पर अनेक चित्र लगे हुए थे। कुछ में प्रकृति के विविध रूप दर्शाए गए थे तो कई चित्र त्यौहार मनाते लोगों के थे।अनेक पोर्ट्रेट भी थे जिनमें उदास और प्रसन्न चेहरे दिखाए गए थे। मैं मुग्ध भाव से उन चित्रों को देखता रहा।फिर मैंने पूछा कि वह आजकल किस विषय पर चित्र बना रहे हैं।

अजित बोले –'इधर मैं नए चित्र नहीं बना रहा हूँ। बल्कि उनसे मिलने की कोशिश कर रहा हूँ,जिन्हें मैंने अपने चित्रों में उतारा है।' मैं कुछ पूछता तभी वह बोले-' मैं आपको सबसे अच्छा चित्र दिखाता हूँ

कहते हुए उन्होंने मुझे एक चित्र दिखाया। चित्र एक बच्चे का था, वह उसे अपना बनाया सबसे अच्छा चित्र कह रहे थे,मुझे उसमें कोई विशेषता नहीं दिखाई दी|

मैं कुछ पूछता इससे पहले ही वह बोले -'आप सोच रहे होंगे कि मैं इस ड्राइंग को सबसे अच्छा चित्र क्यों कह रहा हूँ। इसके पीछे एक कहानी है। एक दिन मैं चित्र बना रहा था तभी कामवाली रत्ना की बेटी जूही मेरे पास आकर बोली-'कागज दो,ड्राइंग बनानी है।'

मैंने उसे अपना बनाया यह चित्र दे दिया और उसे उलट कर कहा-'इस खाली जगह पर बना लो।'

कुछ देर बाद देखा कि वह चित्र को लिए बैठी है ,कुछ बना नहीं रही है. मैंने पूछा तो बोली -'यह तो मेरे भैया जैसा है ,कौन है यह.? मैं कोई उत्तर नहीं दे सका. मुझे याद नहीं आया कि वह बच्चा कौन था और उसका चित्र मैंने कब और कहाँ बनाया था. कुछ देर बाद रत्ना अपनी बेटी के साथ चली गई.

मैं देर तक सोचता रहा-क्या केवल चित्र बनाना ही काफी है।मैंने समय समय पर जिन लोगों के चित्र बनाये हैं उनमें कई चेहरे प्रसन्न थे तो कई उदास। उन चित्रों के बिकने से मुझे अच्छी खासी रकम भी मिली। क्या मुझे उनकी ख़ुशी या उदासी में शामिल नहीं होना चाहिए था?यह पता नहीं करना चाहिए था कि उनमें से कुछ उदास थे तो क्यों!'

मैंने कहा-'आप सही बात सोच रहे थे।'

अजित ने बताया –' तभी मुझे एक बच्चा याद आया,जिसे मैंने पेड़ के नीचे खड़े रोते देखा था।'

'कौन था वह बच्चा और आपने उसे कहाँ देखा था?'-मैंने पूछा। तब अजित ने मुझे मोबाइल फोन पर एक बच्चे का फोटो दिखाया।वह रो रहा था। मैं उसे तुरत पहचान गया।'यह तो वही है जिसे मैंने बाहर के कमरे में ड्राइंग बनाते हुए देखा है।'

'आपने ठीक पहचाना।यह वही बालक है।'-अजित बोले।फिर बताने लगे-' कुछ समय पहले मैं परिवार के साथ बनगांव में एक रिश्तेदार से मिलने गया था, वहां से लौटते समय मैंने एक बालक को पेड के नीचे रोते पाया।मैं उससे मिलना चाहता था,पर तब तक कार आगे निकल आई थी। मैंने घर लौट कर पत्नी से यह कहा तो उन्होंने मुझे फोन में उसका फोटो दिखा कर कहा-' मैंने उस बच्चे का फोटो क्लिक कर लिया है।मैं भी सोचती हूँ कि कभी बनगांव जाकर इस बच्चे के बारे में पता किया जाये। वह पेड़ के नीचे अकेला खड़ा क्यों रो रहा था ! उससे मिला जाये।'

'फिर।'

कुछ दिन बाद मैं पत्नी के साथ बनगांव गया और कई लोगो को बच्चे का फोटो दिखाया तो पता चला कि बच्चे का नाम परम है, वह मुखिया के घर में रहता है। हम मुखिया से मिले। उसने बताया कि कई साल पहले परम उसे सड़क पर रोता हुआ मिला था."मैंने बहुत खोजा ,पर उसके माँ बाप के बारे में कुछ पता नहीं चला.."

मुखिया ने जो कुछ बताया उससे यही पता चला कि उसे मुखिया ने अपने घर में जगह दी है।उसका नाम परम भी मुखिया ने रखा है। पता चला कि परम मुखिया की बकरियां चराने के साथ घर के और भी काम करता है। हमारे कहने पर मुखिया हमें गाँव के चारागाह में ले गया।तब परम बकरियों को उनके बाड़े की तरफ ले जा रहा था।पत्नी रमा ने उसे झट पहचान लिया।इसका फोटो उसने चलती कार से लिया था। परम की यह हालत देख कर रमा को बहुत दुःख हुआ। उसने मुखिया को बताया कि इतने छोटे बच्चे से यह सब कराना गैर कानूनी है,अगर पुलिस में शिकायत की जाये तो उसे जेल हो सकती है।

यह सुनकर मुखिया घबरा गया।मैंने कहा-'बचपन खेलकूद और पढाई के लिए होता है।' हमने परम को अपने साथ शहर लाने की बात कही तो मुखिया झट मान गया।और इस तरह हम परम को अपने घर ले आये।मैंने पुलिस को बता दिया है और वकील से कानूनी सलाह भी ली है।मैं और रमा परम को गोद लेना चाहते हैं।परम स्कूल जाने लगा है और बहुत खुश है।'

मैंने कहा-'अगर उस दिन रमा जी ने रोते हुए परम का फोटो न क्लिक न किया होता तो उसके जीवन में यह बदलाव कभी न आ पाता।' 'आप ठीक कह रहे हैं॥'-अजित बोले।'और इसीलिए मैंने निश्चय किया है कि अब कुछ समय तक नए चित्र नहीं बनाऊंगा। सबसे पहले उन लोगों की खोज करूंगा जिनके चित्र बना कर मैं उन्हें भूल गया हूँ।'

' हो सकता है वे आपको न मिलें' –मैंने कहा।

'सब न मिलें पर कुछ लोग तो मिल ही सकते हैं,जिनके सुख दुःख मैं बाँट सकता हूँ। तभी मैं अपने को सच्चा कलाकार कह सकूंगा।'अजित ने कहा। 'मुझे भरोसा है अपनी खोज यात्रा की सफलता पर।' सचमुच जूही के प्रश्न ने अजित के कलाकार को नया मार्ग दिखा दिया था।

कहानीकार :
देवेन्द्र कुमार

इन्सान तथा धर्म

ईश्वर ने इक पुतला ढाला, उसमें किया रक्त संचार।
पुतले ने ज्यूँ आँखें खोली, पाया भारत माँ का प्यार।
हाथ पकड़ कर लगे खींचने, धर्मों के कुछ ठेकेदार।
पुतले ने ईश्वर से पूछा, क्या ऐसा होता संसार॥१॥
पंडित ने श्री राम सिखाया, मुल्ला बोले करो सलाम।
उधर पादरी हँसकर बोला, दिया यीशु ने तुमको नाम।
एक हाथ में गीता उसके, मुल्ला देता उसे कुरान।
बाइबिल दे कहता पादरी, इसको पढ़ना देकर ध्यान॥२॥
हिन्दू मुस्लिम ईसाई का, चश्मा खोलो तुम सरकार।
जैसा लाल लहू तुम सबमें, वैसा ही इसमें भी यार।
जात पात का झगड़ा छोडो, रहने दो उसको इंसान।
पर ठेकेदारों ने मिलकर, ले ली उस इन्शा की जान॥३॥
आज धर्म की भेंट चढ़ गया, भारतमाता का इक लाल।
मुल्ला पंडित और पादरी, मन ही मन में चलते चाल।
निरपराध का खून पड़ा है, चिन्ता दिखे न इनके भाल।
सोच रहे सब अपने मन में, कैसे हम क्या करें बबाल॥४॥
तभी आ गया एक फरिश्ता, करके देखा अनुसंधान।
ठप्पा इसमें नहीं धर्म का, यह है साधारण इंसान।
जात पात का इंसानों को, नहीं सुनाना झूठा ज्ञान।
फिर कैसे मानव ले सकता, इक दूजे मानव की जान॥५॥

सुरेश चन्द्र जोशी
पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड

www.batterybusiness.in

बैटरी व्यापार
Battery Business
ऑनलाइन मासिक

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

_____ दिनांक

_____ हस्ताक्षर

विज्ञापन दर

कवर स्टोरी (कवर विज्ञापन)	10000/- रुपये		
पिछला आवरण	5000/- रुपये		
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये		
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये	आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये	न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld" के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779

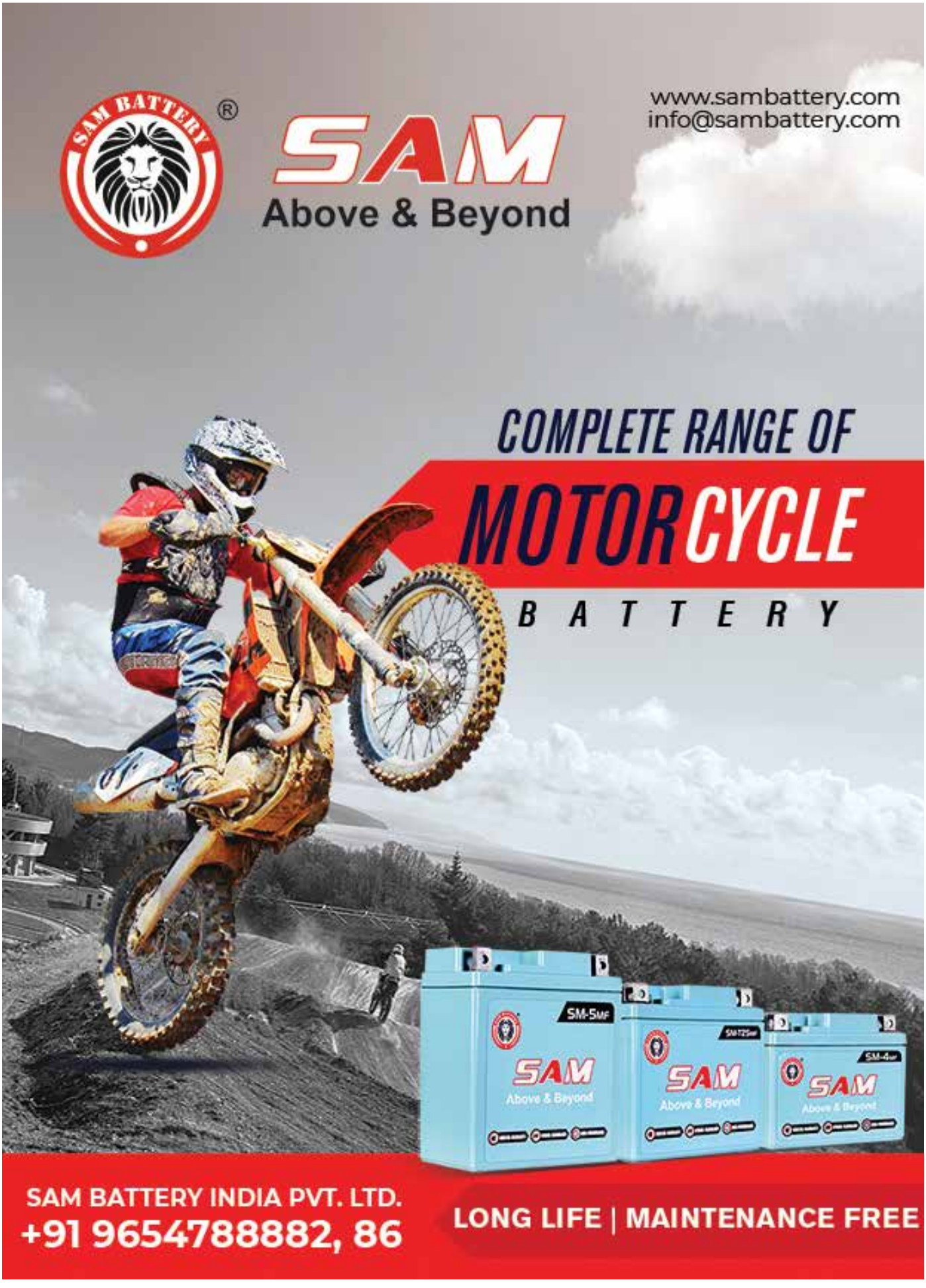
SAM BATTERY
SAM
Above & Beyond
www.sambattery.com
info@sambattery.com
COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY
SM-5MF
SAM
Above & Beyond
SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86
LONG LIFE | MAINTENANCE FREE

बैटरी व्यापार
Battery Business
ऑनलाइन मासिक
बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in
Email : info@batterybusiness.in

staxxa solar

Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH
STAXXA SOLAR

HIGH POWER OUTPUT
Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

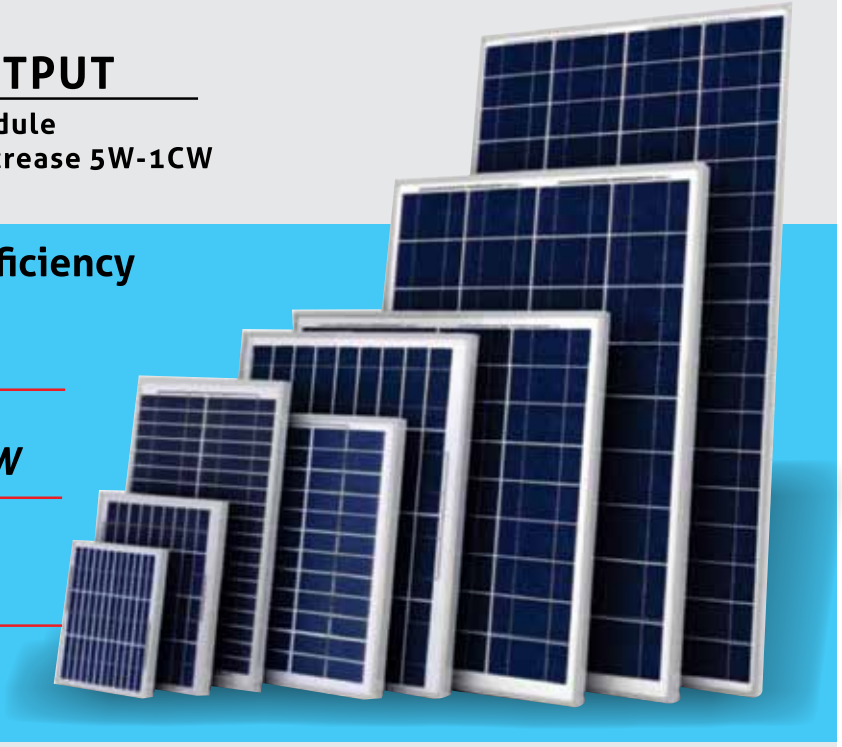

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available

Models

12V Poly Series :
40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :
335W, 350W

Monoperc 24V Series :
400W

SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX
IP67
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com